287. निम्न में से कौन सा मात्र पुरुषों द्वारा किया जाने वाला नृत्य नहीं है?

(a) गैर (b) ढोल
(c) लूर (d) अग्नि

RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (c) : गैर, बाडमेर और मेवाड़ के पुरुषों द्वारा किया जाने वाला सामूहिक नृत्य है।

- ढोल, जालौर के पुरुषों द्वारा किया जाने वाला सामूहिक नृत्य है। इसमें ढोल का प्रयोग होता है। यह नृत्य मात्र पुरूषों द्वारा किया जाता है।
- अग्नि जसनाथी सम्प्रदाय के लोगों द्वारा किया जाने वाला बीकानेर का प्रसिद्ध नृत्य है। इस नृत्य में केवल पुरूष भाग लेते है।
- लूर गरासिया जनजाति की महिलाओं द्वारा किया जाने वाला नृत्य हैं।

288. मंजीरा, तानपुरा, चौतारा वाद्य यंत्रों का प्रयोग अधोलिखित किस नृत्य में किया जाता है?

(a) गवरी नृत्य (b) तेरहताली नृत्य
(c) वालर नृत्य (d) घूमर नृत्य

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (b) : मंजीरा, तानपुरा, चौतारा वाद्य यंत्रों का प्रयोग तेरहताली नृत्य में किया जाता है। यह लोक नृत्य कामड सम्प्रदाय की महिलाओं द्वारा किया जाता है। यह नृत्य बैठकर किया जाता है। इस नृत्य में महिलाएं अपने हाथ, पैरो व शरीर के 13 स्थानों पर मंजीरे बॉधती है। इस नृत्य के समय पुरूष तंदों की तान पर बाबा रामदेव जी के भजन गाते है।

289. तेरहताली नृत्य किस देवता को समर्पित है?

(a) रामदेवजी (b) जंभोजी
(c) गोगाजी (d) तेजाजी

कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018
वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 (06.11.2022)
VDO -2021 (28.12.2021) Shift -II

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

290. तेरहताली नृत्य का संबंध किस जाति से है?

(a) भील (b) कामड
(c) मीणा (d) कठौड़ी

कर सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

291. निम्न में से कौन-सा यंत्र राजस्थान के तेरहताली नृत्य में काम नहीं आता?

(a) मंजीरा (b) तानपुरा
(c) चौतारा (d) डेरु

कर सहायक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (d) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

292. पुरिया नामक पात्र हिस्सा है–

(a) जस्मा ओडेन नृत्य नाटिका का
(b) गवरी नृत्य नाटिका का
(c) भवाई नृत्य का
(d) रम्मत लोक नाट्य का

RPSC Van Rakshak Exam 13.11.2020 Shift-II

Ans. (b) : पुरिया नामक पात्र गवरी नृत्य नाटिका का हिस्सा है। यह राज्य की सबसे प्राचीन लोक नाटक कला है। जो शिव-भ्स्मासुर की कथा पर आधारित है। इस नृत्य नाटक के प्रमुख पात्र भगवान शिव होते हैं। शिव की अर्धांगनी गौरी (पार्वती) के नाम से ही इसका नाम 'गवरी' पड़ा। गवरी नृत्य में शिव को पुरिया कहा जाता है। गवरी लोकनाट्य का मुख्य आधार शिव तथा भस्मासुर की कथा है। यह पुरूष प्रधान लोक नृत्य है। जो भील जनजाति से संबंधित है।

293. गवरी लोक नृत्य मूलतः सम्बधित हैः

(a) गरसियों से (b) कालबेलियों से
(c) कंजरों से (d) भीलों से

RPSC College Lecturer 31-10-2018

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

294. राजस्थान का कौन-सा लोक नाट्य ''मेरू नाट्य'' के नाम से जाना जाता है?

(a) भवाई (b) ख्याल
(c) गवरी (d) तमाशा

I.A. 2018

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

295. गवरी एक लोकनाट्य है, जो आधारित है-

(a) हीर-रांझा की कथा पर
(b) शिव-भस्मासुर की कथा पर
(c) कृष्ण-कंस की कथा पर
(d) प्रताप-अकबर की कथा पर

VDO-2021 Exam Date 28.12.21 Shift-III

Ans. (b) – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

296. 1921 ई. में भवानी नाट्यशाला कहाँ स्थापित की गई थी?

(a) जयपुर (b) अजमेर
(c) झालावाड़ (d) जैसलमेर

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (c) : 1921 में भवानी नाट्यशाला राजस्थान के झालावाड़ दुर्ग के पास स्थित है। इस स्थान का मुख्य आकर्षक इनकी अनूठी भूमिगत संरचना है। इसके अलावा मंच भी कम ऊंचाई पर बनाया गया है। जिससे घोड़े और रथों को आसानी से देखा जा सकता है। यह थियेटर कई प्रकार के नाटकों तथा सास्कृतिक कार्यक्रमों का साक्षी रहा है।

297. ''कच्छी घोड़ी'' नृत्य के संदर्भ में कौनसा/कौन–से कथन सत्य हैं

1. यह एक महिला प्रधान नृत्य है।
2. यह राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र से आरम्भ हुआ।
3. विशेषतः विवाह के अवसर पर किया जाता है।
4. यह नृत्य शाहजहाँ के शासनकाल में शुरू हुआ था।
सही कूट चुनिए–

(a) 1 और (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

RPSC वन रक्षक भर्ती परीक्षा-2020 दिनांक 13-11-2022

Ans. (b) : कच्छी घोड़ी नृत्य राजस्थान का एक लोक नृत्य है। यह राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र से आरम्भ हुआ नृत्य है। इसमें नर्तक नकली घोड़े की सवारी करते है। यह नृत्य दूल्हे पक्ष के बारातियों के मनोरंजन करने के लिए व होली के मनोरंजन के लिए किया जाता है। यह नृत्य केवल पुरूषों द्वारा कया जाता है।